













रजत कुमार गुप्ता

# आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा... ....

नाव का मौसम  
का असर दिखने  
लगा है। थोड़ी देर  
के बाद मॉनसून  
क्या बरसा अब तो  
नेताओं की जुबान की  
फलजड़ी भी चलने

लगी है। फिर से देश का मैंगो मैन उन्हें भगवान् जैसा नजर आने लगा है। बेचारे क्या करें, हर पांच साल में ऐसा करना ही ही पड़ता है। अगर लॉटरी नहीं खुली तो जांच का फाइलें खुलने लगती हैं। इधर भी और उधर भी। मानवानि में भी दो साल की सजा का रिजिट देख रहे हैं ना आप। वहसे मजा आ रहा है क्योंकि जैसे दिन बीत रहे हैं कंपीटिशन टाइट होता जा रहा है। फिर भी पता नहीं क्यों लगता है कि चुनाव आते आते कई और नेता जेल चले ही जाएंगे। अब कौन सही में जेल जाने लायक है और कौन नहीं, यह आप समझे। जैसी सोच वैसा काम।

फिर से देश का  
मैंगो मैन उन्हें  
भगवान जैसा नजर  
आने लगा है। बेचारे  
क्या करें, हर पांच  
साल में ऐसा करना  
ही पड़ता है। अगर  
लॉटरी नहीं खुली  
तो जांच का फाइले  
खुलने लगती हैं।  
इधर मी और उधर  
मी। मानहानि में  
मी दो साल की सजा  
का रिजल्ट देख रहे  
हैं ना आप। वइसे  
मजा आ रहा है  
क्योंकि जैसे जैसे  
दिन बीत रहे हैं  
कंपीटिशन टाइट  
होता जा रहा है।



कुछ इस तरह हैं।  
 धूप में चलोगी तो बाल पक जायेंगे  
 पैदल चलोगी तो पाँव थक जायेंगे  
 बात मेरी मान चल मेरे साथ  
 ना बाबा ना बाबा नॉट तेरे साथ  
 आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा (4 बार)  
 लॉन्ग ड्राइव जायेंगे फुल स्पीड जायेंगे  
 कही रुकेंगे न हम  
 गाना बजाना खाना पीना  
 गाड़ी में होगा सनम  
 आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा (4 बार)  
 लॉन्ग ड्राइव जायेंगे फुल स्पीड जायेंगे  
 कही रुकेंगे न हम  
 गाना बजाना खाना पीना  
 गाड़ी में होगा सनम  
 आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा (4 बार)  
 गाड़ी में रलास स है  
 गाड़ी में सीट है  
 होंडा जैसी है बोंदा जैसी है  
 सीट इसकी है नरम नरम  
 श्याम का टाइम है  
 गाड़ी में वाइन है

मौसम भी फाइन है  
 लव का सिग्न है  
 खाएँगे जलेबी गरम गरम  
 चिक बेबी चिक बेबी चिक चिक चिक  
 दिल मेरा लेले विवक विवक विवक (2  
 बार)  
 म्यूजिकल हॉर्न है लुक का पोन है  
 जुली का जॉन है मेरा तो कौन है  
 आजा आजा न कर शरम वरं  
 डिस्को जाना है गण गण है  
 दिल पे हा हा है मुँह पे न न है  
 तोड़ दे तू अपना भरम वरं  
 लॉन्ग ड्राइव जायेंगे फुल स्पीड जायेंगे  
 कही रुकेंगे न हम  
 गाना बजाना खाना पीना  
 गाड़ी में होगा सनम  
 असोमार गाड़ी पे बेसो  
 बोसो बोसो बोसो बोसो न  
 असोमार गाड़ी पे बेसो  
 बोसो बोसो बोसो बोसो  
 आओ मरी गाड़ी माँ बेसी जाओ (4 बार)  
 लॉन्ग ड्राइव जायेंगे फुल स्पीड जायेंगे

कही रुकेंगे न हम  
 गाना बजाना खाना पीना  
 गाड़ी में होगा सनम  
 आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा (4 बार)  
 जाना मंसूरी है खाना तन्दूरी है  
 तू मेरी नुरी है क्यां यह दूरी है  
 मैं तेरा दीवाना मिस लाना हेयर  
 लाँगा हेयर  
 मैं तेरा लवर मैं नहीं दफर  
 पूजि है सीट कवर तुझे है क्या खबर  
 के न कए नी विल टेक केयर  
 चिक बेबी चिक बेबी चिक चिक चिक  
 अब देखने वाली बात यह होगी कि रेसे  
 में कौन सी गाड़ी बाजी मारती है। जो  
 जीत गया वह सिंकंदर और जो हार गया  
 वह अगले पांच साल के लिए फिर से  
 चुकंदर हो जाएगा। फिर भी अभी तो  
 मैंगो मैन के मजे के दिन है। सभी गाड़ी  
 चालक यही चाहेंगे कि अधिक से  
 अधिक सवारी उनकी गाड़ी में बैठता  
 जाए। अब देखना है कि ऊंट किस  
 करवट बैठता है।

# राजनीति के उबाजीगर हउवें ! »व्यंग्य» प्रभुनाथ शुक्ल

۹۴

**भ** राजनीति के उ बाजीगर हउवें। जइसे सब्जी में आलू होला ओइसहीं राजनीति में ओनकर आकर्षण बा। साँच पूछीं त राजनीति में उनकर महत्व आजकल टमाटर से भी बेसी बा। राजनीति इनकर धंधा है। उ राजनीति के विपक्ष जइसन पार्टी टाइम जॉब नईखन मानत। उ राजनीति क कंबल नइखे उतरते। राजनीति क उ बड़का बाजीगर हउवन। जवना पार्टी से उ बाड़े, ओकर बहुत दबदबा बा। गंगा जइसन शुद्ध बा, विपक्ष के कवनो राजनेता चाहे कतनो भ्रष्ट होखे, उनका पार्टी में पहुंच के सज्जन बन जाला। जवन पार्टी क राजनेता उनका पार्टी में चलि जात। उ एबीसीडी के जांच से मुक्त हो गईल बाड़े। जइसे-जइसे दिन-महीना-साल बीतत जाला, ओही तरह से ऊ विपक्ष के तोड़त रहेला। जइसे कि उफनत नदी आखिरकार कहाँ गिर जाई। ओकरा समुंदर में गिरे के पड़ेला। एही तरे विपक्ष भी उनुका समुंदर निहन पार्टी में ढूब जाला। जहाँ ओकर पाप धोआ जाला कहे कि ओकर दल इसन गंडक ह जवन पापी के पाप धोवेले, उ जहां विपक्ष के जनता जीतला के बाव भी आपन सरकार बनावेमें असमर्थ बा। उहाँ उनुकर पार्टी हेरफेर के माध्यम से आपन सरकार बनावेले। जबकि विपक्ष घोड़ा बेच के सुतल रहेला। जवना तरह से राजा के ना मालूम रहे, ओही तरह जंगल के बँटवारा बन गइल। विपक्ष के इहो लागेला कि हमनी के कतने कोशिश करीं जा, सरकार एगो जुगाड़ से बनल रही। उनकर पार्टी दिन रात जुगाड़ में लागल बिया। दोसरा के घर उजाड़ के आपन घर बनावेले। बाजीगर के जुगाड़ गजब के बा। अब देखेऽ राजनीति में आपन मेमर्त साबित करे वाला क्षत्रप चाचा नाक से चना चबा रहल बाड़े। बेचारा चाचा के बुढ़ापा अउरी खराब हो गइल बा। बाजीगर विपक्ष के एकजुट करे खातिर निकलल चाचा के जुगाड़ टोरें दे दिलहस। बेचारा भतीजा भी उनकरा ना रहे। काका चिंतित बाड़े। विपक्ष के कहलस कि एकजुट हो जा, उ लोग खु बिखरा गईले। अब काका के के समझाइ कि भतीजा के सत्ता के चटनी चाटे के लत बा। फेर टमाटर, धनिया आ अदरक कतनो महंगा होखे, भतीजा राजनीतिक गठबंधन के माध्यम से चटनी चाटे के जुआड़ उठाई।



A portrait painting of a man with light-colored hair and a mustache. He is wearing a white shawl or wrap over a dark, collared shirt. The background is dark and appears to be an indoor setting with some furniture. The style is realistic with visible brushwork.

“दस्तक” में लाजवाब अभिनय के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म “कोशिश” में उनके अभिनय का नया आयाम दर्शकों को देखने के मिला। इस फिल्म में गूँगे की भूमिका निभाना किसी भी अभिनेता के लिये बहुत बड़ी चुनौती थी। बगैर सवाद बोले सिर्फ आंखों और चेहरे के भाव से दर्शकों को सब कुछ बता देना संजीव कुमार की अभिनय प्रतिभा का ऐसा उदाहरण था, जिसे शायद ही कोई अभिनेता दोहरा पाये। इस फिल्म में उनके लाजवाब अभिनय के लिये उन्हें दुसरी बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। अभिनय में एक रूपता से बचने और स्वयं को चरित्र अभिनेता के रूप में भी स्थापित करने के लिये संजीव कुमार ने अपने को विभिन्न भूमिकाओं में पेश किया। इस क्रम में 1975 में प्रदर्शित रमेश सिंही की सुपरहिट फिल्म “शोले” में वह फिल्म अभिनेत्री जया भादुड़ी के संसुर की भूमिका निभाने से भी नहीं हिचके। हालांकि संजीव कुमार ने फिल्म शाले के पहले जया भादुड़ी के साथ कोशिश और अनामिका में नायक की भूमिका निभायी थी संजीव कुमार दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेवर पुरस्कार से सम्मानित किये गये हैं। अपने दमदार अभिनय से दर्शकों में खास पहचान बनाने वाला यह अजीम कलाकार 06

# तीर्थयात्रा एक समय्र अनुभव है



डॉ प्रियंका  
सौरभ

का स्रोत हो सकते हैं, जो इन अन्धभूमि से

भारत बड़ी संख्या में धार्मिक तीर्थ स्थलों का घर है, जहां हर साल लाखों लोग आते हैं जो भगवान् से भी उतना ही जुड़ा है जितना पर्यावरण से। पर्यावरण का व्यक्त रूप पेढ़-पौधे, सुरम्य उपत्यकाएं और गगनचुम्बी पर्वत मालाएं, उद्घाट वेग से बहती नदियाँ और निर्झर, बनों में क्रीड़ा करते जीवजन्तु, पशु पक्षी, उन्मुक्त आकाश, तन-मन को सहलाती शीतल वायु, सभी तो उस परम शक्ति की महिमा को प्रकट करते हैं! क्या हम भगवान् के निवास की कल्पना किसी ऐसी जगह कर सकते हैं जहां की भूमि प्राकृतिक शोभा से हीन हो, जहां कोई नदी या निर्झर न बहता हो, जहां कोई वृक्ष-लताएं और फूल न हों और सुबह-सुबह चहकते पक्षियों की आवाज कानों में न पड़े? इसके अलावा, धार्मिक तीर्थ स्थलों में क्षेत्रीय और सांस्कृतिक संबंध बनाने की क्षमता होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये स्थल अक्सर दुनिया के विभिन्न भिन्न भाषाओं में उच्चारण किये जाते हैं, जो इन अनुभवों से दूर आकर्षणीय और दूसरों के साथ बातचीत करने और एक दूसरे की परंपराओं, विश्वासों और जीवन के तरीकों के बारे जानने का अवसर मिलता है। धार्मिक तीर्थ स्थल भी क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया विभिन्न हिस्सों से लोग इन स्थलों को देखने और आसपास के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए आते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था बढ़ावा देने और विशेषज्ञ आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्रों नौकरियां पैदा करने में मदद मिल सकती है।

कर सकते हैं। इससे विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोगों के बीच एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है, जो एक समान विश्वास या मूल्यों का समृह साझा कर सकते हैं। कुल मिलाकर, धार्मिक तीर्थ स्थल पर्यटन को बढ़ावा देने, अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने और आध्यात्मिक विकास और समुदय-निर्माण के अवसर पैदा करके क्षेत्रीय और सांस्कृतिक संबंधों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत बड़ी संख्या में धार्मिक तीर्थ स्थलों का घर है, जहां हर साल लाखों लोग आते हैं। वाराणसी, जिसे काशी के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है और इसे हिंदू धर्म में एक पवित्र शहर माना जाता है। यह गंगा नदी के टट पर स्थित है और हर साल लाखों लोग यहां आते हैं।

हर है, जो उत्तरी राज्य तत्त्राखंड में स्थित है। यह हिंदू पर्म के सात सबसे पवित्र स्थानों से एक है और अपने मंदिरों और घाटों (नदी तक जाने वाली पांडियाँ) के लिए जाना जाता है। मुत्सर पंजाब के उत्तरी राज्य में एक शहर है और यह स्वर्ण मंदिर नाम स्थान है, जो दुनिया के सबसे तिक्ष्ण सिख मंदिरों में से एक है। रुपति दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश एक शहर है और यहां श्री कटेश्वर मंदिर है, जो भारत में बसे अधिक देखे जाने वाले तीर्थ स्थलों में से एक है। बोधगया गढ़वाहर के पूर्वी राज्य में एक छोटा शहर है और कहा जाता है कि यहां पर गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त आ था। ऋशिकेश उत्तरी राज्य तत्त्राखंड में एक शहर है और यह अपने मंदिरों और आश्रमों के ग्राथ-साथ योग और ध्यान से जुड़े जाने के लिए भी जाना जाता है। शिरडी महाराष्ट्र के पश्चिमी राज्य एक शहर है और यह शिरडी नाम से जाना जाता है—

बा के भक्तों के लिए एक तीर्थ स्थल है। अंचे की वकता होती है। सरकारें नजी निवेशक आसपास के में बुनियादी ढांचे के अंक, जैसे परिवहन, अतिथ्य मनोरंजन सुविधाओं में करने के लिए इस मांग का उठा सकते हैं। तीर्थ स्थलों में किया जा सकता है, जो अल धार्मिक उद्देश्यों के लिए अवकाश और मनोरंजन नए भी आगंतुकों को दर्ता कर सकते हैं। इससे अवसर के अवसर पैदा हो सकते हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था के जस्व उत्पन्न हो सकता है। स्थल विभिन्न क्षेत्रों और सभ्यों के लोगों को आकर्षित हैं, जिससे सांस्कृतिक प्रदान और सहयोग का मिलता है। इससे वित्तीक परिवर्तन का विकास क्षेत्रीय विविधता और अंचे तथा उसका वित्त सम्बन्ध

है उसके लिए यह आवश्यक है कि प्राकृतिक मूल्यों का संरक्षण किया जाय और तीर्थ का पूरा स्वरूप प्राकृतिक विशेषताओं और परम्पराओं से मेल खाए। किन्तु आज विकास के नाम पर दुकानों, होटलों और नए तरह के निर्माणों की चल पड़ी है। पहले धर्मशालाओं या पांथशालाओं का रिवाज था। अब पांच सितारा होटलों की सुविधाएं मुहय्या की जाने लगी हैं जहां भोग-विलास और सुख-सुविधा के सारे सामान मिलते हैं। स्थानीय पट्टे-पुजारियों, व्यवसायियों यहां तक कि साधु-सन्नायियों की धन लिप्सा के कारण तीर्थों का स्वरूप बदल रहा है। व्यवसायी अवैध निर्माण कर कंक्रीट का जंगल उगाने में व्यस्त रहते हैं। पट्टे-पुजारी और साधु-सन्नायी धर्म और आश्रमों के नाम पर पैर पसारते जाते हैं। वे धर्म और व्यवसाय एक साथ चलाने पर उतारू हैं। फलतः आश्रम फैलते जा रहे हैं और अवैध



प्रदेश &gt; अपडेट

मिलेट्स कर्मशाला  
का आयोजन

पाकुड़ : प्रखंड कार्यालय परिषद स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र में शनिवार को प्रखंड कार्यालय सह मिलेट्स कर्मशाला का आयोजन किया गया। उड़ान्टन सहायक तकनीकी प्रबंधक शांतनु कुमार शील एवं अभिजैत कुमार शील के द्वारा सूखेरुप से किया गया। सातनु कुमार शील ने बताया कि भारत सरकार ने 2024 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है।

अवैध शराब

एयाज की बोरी में नकली शराब, मौत से खेल रहे व्यवसायी

# बिहार में थम नहीं रहा अवैध शराब का चोरी छिपे कारोबार



► हरियाणा से लायी जा रही था शराब

► मोतिहारी में नकली शराब से फिर हुई जौत

► ड्राइके सेवन से पठले भी हुई थी पूर्व सैनिक की मौत

राष्ट्रीय खबर

पटना: बिहार के गोपालगंज स्थित बलथरी चेक पोस्ट के पास शुक्रवार की रात हरियाणा से ट्रक में व्याज की बोरीयां में छिपाकर लाई जा रही विदेशी शराब को उत्पाद पुलिस ने जबता किया है। जब शराब की कीमत करीब 10 लाख रुपए बालाई जा रही थी। आने जाने वाले राहगीरों को पता नहीं चल पाता कि कहाँ गंगा है या कहाँ जाने का रास्ता ठीक है। शनिवार को एक टाटो इस रास्ते से जुर्जने के क्रम में पलट गया और दो यात्री मामूली रुप से जख्मी हो गया। वहीं टोटो में बैठे अन्य लोग भी भयभीत रह गए। बताते चले कि प्रखंड मुख्यालय के सभी सड़कें अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं। सभी सड़कों में जलमाल से राहगीर परेशान हैं। सातों से जर्जर इस सड़कों के रमणीय का अंत फिरी से नहीं देखा जा सकता। नहीं जहाँ इस सड़कों से महशुपर वासी परेशान हैं।

जल जमाव से आग

जनता परेशान

पाकुड़ : प्रखंड मुख्यालय के सड़कों में जल जमाव की समस्या से आगमन जर्जर है। प्रखंड कार्यालय के एक सामने हक्का-फुलका बारिश पड़ने पर काफी पानी जमा हो जाते हैं। आने जाने वाले राहगीरों को पता नहीं चल पाता कि कहाँ गंगा है या कहाँ जाने का रास्ता ठीक है। शनिवार को एक टाटो इस रास्ते से जुर्जने के क्रम में पलट गया और दो यात्री मामूली रुप से जख्मी हो गया। वहीं टोटो में बैठे अन्य लोग भी भयभीत रह गए। बताते चले कि प्रखंड मुख्यालय के सभी सड़कें अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं। सभी सड़कों में जलमाल से राहगीर परेशान हैं। सातों से जर्जर इस सड़कों के रमणीय का अंत फिरी से नहीं देखा जा सकता। नहीं जहाँ इस सड़कों से महशुपर वासी परेशान हैं।

भालू के हमले से महिला ध्याल

कोडगा : जिले के उत्तराखण्ड शनांक क्षेत्र के दोढाकाला के समीप हरया जंगल में शनिवार की सुबह भालू के हमले से एक महिला ध्याल हो गई। ध्याल की पहचान ढोढ़ाकोला नियारी शारादा देवी उम्र 63 वर्ष पति सुकर सिंह के रुप में हुई है। महिला ने बताया कि सुबह वह हरया जंगल लकड़ी लाने गई थी। एकी दौरान एक भालू ने अचानक उनके ऊपर हमला कर दिया जिसमें वह ध्याल हो गई।

संक्षिप्त &gt; अपडेट

सामान्य ज्ञान

प्रतियोगिता का आयोजन

पाकुड़ : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अवसर पर शनिवार को अधिविप महशुपर इकाई के द्वारा प्लस टू उच्च विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के दर्जनों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस संबंध में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

## अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ छापेमारी अभियान



राष्ट्रीय खबर

पाकुड़ : उपायुक्त के निदेशनुसार निरतर जिल खनन टाक्स कोर्स द्वारा अवैध परिवहन और खनन के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के तहत शनिवार को जिला खनन निरीक्षक को लेकर मालपहाड़ी ओपी थाना में सुरक्षित रखा गया। खनन निरीक्षक टाक्स कोर्स की टीम द्वारा अवैध परिवहन को लेकर जांच की जारी रखी गयी। इसी दौरान एक भालू ने अचानक उनके ऊपर हमला कर दिया जिसमें वह ध्याल हो गई।

संक्षिप्त &gt; अपडेट

सामान्य ज्ञान

प्रतियोगिता का आयोजन

पाकुड़ : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में विद्यार्थी परिवहन के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जाना रोहण कार्यक्रम के बारे में जनकारी देते हुए अभियांत्रिय के राहतों पर जाने वाला कि विद्यार्थी परिषद के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी कल हार्दी रुकूल में ध्याल का राहगीर

कार







